Toppersnotes
Unleash the topper in you

C-TET

सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्राथमिक स्तर

भाग – 1

हिन्दी एवं अंग्रेजी

SIERRA INNOVATIONS

Index

Hindi Language Pedagogy

(1) भाषा 1
(2) भाषा अधिगम और भाषा अर्जन 3
(3) व्याकरण शिक्षण 6
(4) भाषा शिक्षण के सिद्धान्त 9
(5) भाषा शिक्षण के सूत्र एवं विधियां 12
(6) भाषा कौशल एवं इसके प्रकार 17
(7) भाषा शिक्षण में सुनने और बोलने की भूमिका 26
(8) बच्चों में भाषा सम्बन्धित त्रुटियां एवं विकास 30
(9) बहुभाषिकता/भाषायी विविधता वाले कक्षा कक्ष की चुनौतियां 33
(10) मूल्यांकन विधियां 37

Hindi Grammar and Comprehension

(1) हिन्दी भाषा 85
(2) हिन्दी साहित्य 86
(3) वर्णमाला 95
(4) विराम चिन्ह 102
(5) शब्द भेद 103
(6) संधि 112
(7) समास 121
(8) संज्ञा 126
(9) सर्वनाम 128
(10) विशेषण 129
(11) क्रिया 130
(12) वाच्य 132
(13) काल 133

(14) अव्यय 134
(15) अलंकार 136
(16) रस 142
(17) छन्द 147
(18) पर्यायवाची 151
(19) विलोम शब्द 153
(20) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द 155
(21) वर्तनी 158
(22) प्रमुख लेखक व उसकी रचनाएँ 160
(23) मुहावरे एवं लोकोक्ति 166
(24) CTET Paper – 1st – Hindi Language 168
(25) CTET – 2019, December, Practice Paper 176

English Language Pedagogy

(1) Meaning of language and its definition 187
(2) Function of Language 188
(3) Learning and acquisition 189
(4) Principles of language teaching 193
(5) Role of listening a speaking 195
(6) Language Skills 198
(7) Role of grammar in learning a language 207
(8) Chomsky's theory of language acquisition 212
(9) Remedial Teaching 216
(10) Teaching aids 226
(11) Evaluation 231
(12) Practice Question answers 243
(13) Previous year paper. CTET 2019 258

English Grammar & Comprehension

(1) Article 276
(2) Noun 278
(3) Pronoun 281
(4) Verb 284
(5) Adverb 289
(6) Adjective 290
(7) Preposition 292
(8) Vocab 293
(9) Poetry 297
(10) Comprehension 300

Toppersnotes
Unleash the topper in you

भाषा

① औपचारिक भाषा
① विद्यालय में प्रयोग होने वाली भाषा।
② जो क्षेत्र के पढ़े-लिखे समाज द्वारा स्वीकृत भाषा।

② अनौपचारिक भाषा
① घर-परिवार की भाषा जो माता-पिता समाज, पड़ोस, परिवेश, जनसंख्या द्वारा उपयोग में लायी जाती है उसे अनौपचारिक भाषा कहते हैं।

③ राष्ट्रभाषा → (लोकभाषा) (लिंग्वा फ्रांका) हिंदी भारत की कोई भी राष्ट्रभाषा नहीं है क्योंकि भारत बहुभाषायी देश है। यहाँ विभिन्न प्रकार के लोग निवास करते हैं और उनके द्वारा अलग-2 प्रकार की भाषाओं का प्रयोग किया जाता है।

④ राजभाषा → अर्थ = "सरकारी काम काज की भाषा" हमारी राजभाषा हिंदी है भारत में संविधान के अनुच्छेद 343(1), भाग-17 के अनुसार हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया जिसके द्वारा संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी।

★ 14 - सितम्बर 1949 को निर्णय लिया गया की हिन्दी भारत संघ की राजभाषा होगी और 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

⑤ राज्यभाषा → जिस प्रदेश की राज्य सरकार द्वारा उस राज्य के आन्तरिक प्रशासनिक कार्यों को सम्पन्न करने के लिये जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है उसे राज्यभाषा कहा जाता है।

मातृभाषा ⇒ घर-परिवार, माता पिता, आस पड़ोस, हमजिस परिवेश में निवास करते हैं वहाँ उपयोग में लायी जाने वाली भाषा मातृभाषा होती है बच्चे सर्वप्रथम मातृभाषा का ज्ञान अर्जित करते हैं अतः उनकी यह प्रथम भाषा होती है।

① मातृभाषा से ही बच्चे का मस्तिष्क सबसे पहले क्रियाशील होता है।

② मातृभाषा विचार विनिमय और शिक्षा ग्रहण करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है।

③ प्राथमिक स्तर पर शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होना चाहिये।

हिन्दी भाषी राज्य →

1. उत्तर प्रदेश
2. मध्य प्रदेश
3. हिमाचल प्रदेश
4. बिहार
5. हरियाणा
6. राजस्थान
7. छत्तीसगढ़
8. दिल्ली
9. झारखण्ड
10. उत्तराखण्ड
11. अण्डमान निकोबार

महत्वपूर्ण तथ्य –

① भाषा सम्प्रेषण का सर्वप्रथम माध्यम है।

② भाषा का प्रभाव जटिलता से सरलता की ओर देखा जाता है।

③ भाषा स्मृतिकोष / शब्दकोष का भी काम करती है।

④ भाषा प्रत्यक्ष सम्पत्ति नहीं है और यह नियम बद्ध है तथा इसकी भौगोलिक सीमा होती है।

⑤ संयुक्त परिवार में बच्चे का भाषा विन्यास एकल परिवार की तुलना में अच्छा होता है।

भाषा अधिगम और भाषा अर्जन

भाषा → "भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने विचारों को एक दूसरे के सामने व्यक्त करते हैं। भाषा मुख से उच्चारित होने वाले शब्दों और वाक्यों आदि का वह समूह है जिनके द्वारा मन की बात बतलाई जाती है सामान्यता भाषा को वैचारिक आदान-प्रदान का माध्यम कहा जाता है।"

भाषा का आरंभ मानव के जन्म के साथ ही हो जाता है। विभिन्न भाषा कौशल जैसे सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना को पूरा करते हुये व्यक्ति भाषा में निपुणता प्राप्त करता है भाषा सृजन करने की एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

अर्थ- भाषा संस्कृत की "भाष्" धातु से उत्पन्न हुई है जिसका अर्थ है - बोलना

भाषा की प्रकृति →

1. भाषा संस्कृति और सभ्यता से जुड़ी होती है
2. भाषा में सीमा बद्धता होती है।
3. प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है। जैसे- हिंदी = देवनागरी लिपि अंग्रेजी = रोमन, उर्दू = फारसी।
4. भाषा अनुकरण से सीखी जाती है।
5. भाषा एक अर्जित संपत्ति है जिसे प्रयोग के माध्यम से हम सृजन कर सकते हैं, और इसे आदान-प्रदान करके इसका विस्तार होता है अतः यह पैतृक नहीं है।
6. भाषा एक सामाजिक एवं परंपरागत वस्तु है।
7. भाषा में निरंतर परिवर्तन होता रहता है अतः यह परिवर्तनशील है।
8. भाषा कठिनता से सरलता की ओर अग्रसर है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

भाषा अर्जन

अर्जन का अर्थ है = " अर्जन मतलब किसी भी भाषा को व्यक्ति स्वयं के प्रयासों द्वारा अर्जित कर सकता है तथा भाषा एक अर्जित संपत्ति है।"

1. बालक अपने चारों ओर के वातावरण में जिस प्रकार लोगों को बोलते हुये सुनता है एवं लिखते हुये देखता है उसे ही अनुकरण (नकल) द्वारा सीखने का प्रयत्न करता है। अर्थात भाषा का अर्जन अनुकरण द्वारा होता है।

2. भाषाई योग्यता एक कौशल है, जिसे अर्जित किया जाता है। अर्जन की प्रक्रिया बालक के जन्म से प्रारम्भ होती है।

3. भाषा अर्जन में अभ्यास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

4. भाषा अर्जन द्वारा बालक अपनी प्रथम भाषा को सीखता है जो उसकी मातृ भाषा होती है।

5. भाषा अर्जन एक अवचेतन प्रक्रिया है भाषा सीखने वाले समानतः इस बात से अनभिज्ञ होते हैं की वो भाषा सीख रहे हैं।

6. भाषा अर्जन का अर्थ है भाषा को अप्रत्यक्ष अनौपचारिक और स्वाभाविक रूप से सीखना।

चॉमस्की के अनुसार, " बच्चे भाषा अपने वातावरण से अर्जित करते हैं उनके अंदर जन्मजात भाषा अर्जन युक्ति होती है"

भाषा अधिगम

भाषा, अधिगम का अर्थ है - सीखना.

* अधिगम एक मानसिक प्रक्रिया है जो जन्म से मृत्यु तक अतः जीवन भर चलती रहती है।
* अधिगम में बालक परिपक्वता की ओर बढ़ता है।
* सीखना अनुभव द्वारा मनुष्य के व्यवहार में परिवर्तन है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

परिभाषा -

क्रो एवं क्रो के अनुसार, "सीखना आदतों ज्ञान एवं अभिवृत्तियों का अर्जन है।"

पावलॉव के अनुसार, " अनुकूलित अनुक्रिया के परिणाम स्वरूप आदत का निर्माण ही अधिगम है।"

गेट्स के अनुसार, " अनुभव द्वारा व्यवहार में रूपांतर लाना ही अधिगम है।"

वुडवर्थ के अनुसार, " सीखना विकास की प्रक्रिया है।"

विशेषताएं →

1. सीखने की प्रक्रिया जन्म से मृत्यु तक अर्थात् जीवन भर चलती है।
2. सीखना परिवर्तन है - व्यक्ति अपने और दूसरों के अनुभव से सीख कर व्यवहार विचारों इच्छाओं भावनाओं आदि में परिवर्तन करता है।
3. सीखना सार्वभौमिक (Universal) है सभी जीव-जन्तु सीखते हैं।
4. सीखना अनुभव का संगठन है सीखना नए पुराने अनुभवों का संगठन है।
5. सीखना व्यक्तिगत व सामाजिक दोनों है।
6. भाषा अधिगम में भाषा का औपचारिक ज्ञान / प्रत्यक्ष रूप से सीखना शामिल होता है।

Note - भाषा अधिगम में उन छात्रों को कठिनाई नहीं आती जिनका मानसिक स्वास्थ्य ठीक हो यदि उनका स्वभाव संकोची और आत्मविश्वास कम हो तब उन्हें भाषा सीखने में कठिनाई होगी।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

व्याकरण शिक्षण

व्याकरण का शुद्ध प्रयोग करना एक कला है।
जिसके चार कौशलो का होना अनिवार्य है जो निम्न प्रकार से है—

1. पढना
2. लिखना
3. बोलना
4. सुनना

☆ किन्तु भाषा कौशल के आ जाने से बालक केवल अर्थ और भाव की ग्रहण कर पाता है वह भाषा को शुद्ध नहीं कर पाता है।
अत: भाषा में शुद्धता लाने के लिये व्याकरण शिक्षण की आवश्यकता होती है☆ क्योंकि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।

☆ वह दैनिक जीवन में आदान- प्रदान करने के लिये भाषा का प्रयोग करता है।

☆ भाषा की मितव्यता व्याकरण के माध्यम से आती है।

☆ भाषा को एक निश्चित रूप देने के लिये हम लोग व्याकरण का प्रयोग करते है।

<u>परिभाषा</u> — "भाषा के रूप की शुद्ध व्यवस्था ही व्याकरण है"।
— <u>वृह्युम फील्ड</u>

"प्रचलित भाषा सम्बन्धी नियमों की शुद्ध व्यवस्था ही व्याकरण है"
— <u>डॉ॰ आग्य</u>

व्याकरण के शिक्षण उद्देश्य →

① भाषा के शुद्ध रूप को समझने एवं उसमें स्थायित्व लाने के लिये।

② छात्रों को ध्वनियो, ध्वनियों के सूक्ष्म अन्तर एवं उच्चारण के नियमो का ज्ञान कराना।

③. भाषा की भौगोलिक सीमा होती है और उसका उल्लंघन होने से बचाने के लिये।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

(4) विद्यार्थियो में रचना तथा सर्जनात्मक प्रवृत्ति का निर्माण, चिन्तन एवं तर्क क्षमता का विकास, कम शब्दो में शुद्धतापूर्वक अपने भावो को व्यक्त करना अपनी अशुद्धता को समझने तथा उसको शुद्धीकरण की स्थायित्व में लाने का विकास करती है।

(5) भाषा के व्याकरण संगत रूप से सुरक्षित रखना।

व्याकरण के भेद

व्याकरण के दो भेद होते है।

1. औपचारिक व्याकरण
2. अनौपचारिक व्याकरण

1. औपचारिक व्याकरण → जब बच्चो को पाठ्य पुस्तक की सहायता से विधिवत ढंग से क्रमपूर्वक व्याकरण के नियमो, उपनियमो, अनेक भेदो तथा उपभेदो का ज्ञान कराया जाता है।

2. अनौपचारिक व्याकरण → बच्चो में भाषा सीखना अनुकरण विधि द्वारा होता है वे दूसरो की नकल करके भाषा सीखते है।

व्याकरण शिक्षण की विधियाँ →

व्याकरण शिक्षण के लिये निम्नलिखित विधियाँ है।

1. आगमन विधि → इस विधि में हम पहले उदाहरणो को तथा फिर नियमो के द्वारा पढते है अतः हम उदाहरणो से समान सिद्धान्त निकालते है। इस विधि में हम ज्ञात से अज्ञात की ओर, सरल से कठिन की ओर और स्थूल से सूक्ष्म की ओर चलते है।

निगमन विधि → जब शिक्षण नियमो पर आधारित होकर करवाया जाता है। तो यह निगमन विधि कहलाती है बच्चे बताये गये नियमो को रट लेते है।

समवाय विधि / सहयोग प्रणाली → इस विधि में भाषा के अन्तिम मौखिक या लिखित कार्य कराते समय प्रासंगिक रूप से व्याकरण के नियमो का ज्ञान कराया जाता है।

भाषा संसर्ग प्रणाली → यह विधि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियो के लिये उपयोगी है इस प्रणाली में बच्चो को ऐसे लेखको की रचनाएँ पढने को दी जाती है जिनका भाषा पर पूर्ण अधिकार है। इस विधि में बच्चे व्याकरण के नियमो पर ज्यादा बल न देकर दूसरो द्वारा उच्चारित शब्दो का अनुकरण करके भाषा का शुद्ध रूप प्रयोग करते है।

प्रयोग या विश्लेषण प्रणाली → इस विधि में अध्यापक उदाहरण देकर उनकी व्याकरण तथा प्रयोग के आधार पर व्याकरण के नियमो का ज्ञान करवाता है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Language

Meaning of language → "Language is a set of human habits, the Purpose of which is to give expression to thoughts and feelings". = O. Jesperson

→ Language helps in the Development of Personality. Language distinguishes human beings from animals and Provides them the highest honour among all the others forms of life.

→ Languge is an essential part of human life. The word 'Language' seems to have been derived from "Latin" word "Lingua" which means 'tongue'. It is a Specific form of Speech that evolved over a Period of time. It is a Kind of Conventional arrangement, Common Usage and intelligible patterns of words and idioms that help a group of people to communicate effectively.

★ According to B.M.H Strang "language is an articulated System of Signs, primarily in the medium of Speech."

★ According to 'John Dewey' "— Language exists only when it is listened as well as Spoken. The hearer is an Idispensable partner."

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Function of Language

"Speech is the instrument of society" — Johnson

Language is the foremost requirement of man. It is the means of communication. Without Language the human life would have been quite different The function of Language is briefly explained as follows.

1. Preservation function → Man can Preserved his Knowledge, Observations and experiences in the written form.
2. Evolutionary function → Literature is the mirror of the Society - any advancement of the Society is basically its language development.
3. Interaction function → Language is not one-way Communication but two ways communication.
4. Directive function → Language is a means of giving direction to others.
5. Communicative function → Sharing of ideas in a Society is Called Communication for communication, language is the first requirement.

Toppersnotes
Unleash the topper in you

6. Informative function → We can pass on information to others only through language.

7. Expressive function → Language helps one to bring out pent up feelings through which one can evoke desirable feelings among readers/listeners.

2. Learning and acquisition

"Language acquisition" usually refers to the first language acquisition, that is, infant's acquisition of their native language. When language is learned without any practice, it is called first language.

- Children learnt first language without any problem and Practice. They learn it naturally. When language learned naturally and without and systematic Practice, it is called acquisition.

- It is a process by which children acquire their mother tongue. Children acquire language through a subconscious process during which they are unaware of grammatical rules

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Learning, a language requires the operation of an innate capacity possessed by all human beings. In our schools many subjects are taught, English is taught as the second language because particular practice is given to the students to learn English.

⇒ To learn English, the help of mother tongue is taken language learning is not communicative.

⇒ It is the result of direct instruction of the rules of language. In language learning students have conscious knowledge of the new language and can talk about that knowledge.

⇒ They can fill in the blanks on a grammar page. Research has shown, however, that knowing grammar rules does not necessarily result in good speaking or writing of the language. A student who has memorised the rules of the language may be able to succeed on a standardised test of English language, but may not able to speak or write correctly.

Toppersnotes
Unleash the topper in you

* According to the School of psychology established by (behaviourist) Russian psychologist, pavlov. and American Psychologist, B.F. Skinner, who gave the theory of Classical Conditioning and operant Conditioning respectively.

→ Learning takes place fast if a correct response is given to the students. The Learner must know at once if their effort is right or wrong and every new item must be learned by reinforcement and further practice before further Learning begins.

-How-ever the ~~Cong~~ Cognitivists emphasis on three things.

1. Meaning
2. Knowing
3. Understanding

(congnitivists say language acquistion can be attained automatically. Behaviourists favour they view that language is behaviour which is One sided and Somewhat Superficial).

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Stages of Learning

Learning, in case of everyone, proceeds through five stages, which are as follows.

1. Acquisition – The Person learns a new task.

2. Fluency & Proficiency – The Person learns to Perform the new task to a higher degree of accuracy.

3. Maintenance → The Person is able to perform the task independently even after teaching has ended.

4. Generalisation → The Person learns to generalise the learned skills / tasks to other situations or environments. He is able to Perform the tasks in situations other the Ones in which he had learnts them

5. Adaptation → The person applies a previously-learned skill a new area of application without direct instruction or guidance.

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Principles of Language Teaching

To teach language effectively, the teacher should bear in mind the following important Principles of language Teaching.

1. Correct Language standards.
2. Principle of selection and gradation
3. Multiple line of approach
4. Structual approach to Language teaching
5. Principle of ~~Selection~~ imitation
6. Principle of accuracy
7. Principle of naturalness
8. Maintenance of interest
9. Principle of motivation.
10. Principle of habit - formation and intensive practice.
11. Balanced approach.

They should be proper co-ordination in teaching different aspects of the foreign language. Thus in Teaching a prose lesson, the grammar portion may be discussed side by side, while during Written Composition, Oral aspect can be covered so that balance among the different aspects of Language can be maintained.

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Maxims of teaching

Maxims mean a well-known phrase that expresses what is true or what people think is a rule for sensible behaviour.

Various maxims are mentioned below →

1. From simple to Complex
2. From Known to Unknown
3. From Concrete to abstract
4. From whole to part
5. From definite to Indefinite
6. From near to Far.

Important Points →

(1). correct Language standards shoud be adopted.

(2). Proper Selection and gradation of Words are must

(3). Attacking a question from many Sides is helpful in better learning.

(4) Appropriate Situations from many sides are helpful in better learning

(5) children always learn by imitating, so a better model of pronunciation and Writing Should be Presented before them

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Toppersnotes
Unleash the topper in you

(6). Accurate language in a natural and interesting way should be presented.

(7). Language Learning is a habit formation process.

(8). Balanced approach with maxims of teaching should be adopted.

Role of listening and Speaking

Listening and Speaking are essential for development, for learning, for relating to others and for living successfully in the Society. Students should learn to express their own ideas, feelings and thoughts clearly, and to respond to others ~~appropriately~~ appropriately in a range of formal and informal Situations.

They should understand the processes by which they acquire these skills, think Critically about what they hear. and Use oral language to gather, Process and present information.

Toppersnotes
Unleash the topper in you

The role of Listening

(a). To Lay the foundation of Learning of a Language.
(b). To develop understanding of Concepts, ideas and facts.
(c). To provide verbal interaction between people.
(d). To provide the basis of education Process.

Oral Works is the basis of good Learning of the language. In fact, it strengthens the foundation of Language Learning. The following are the different ways to Conducting Oral Work.

1. Doing reproduction exercises
2. Asking Questions
3. Performing role play
4. Performing actions
5. Showing a film or Chart
6. Giving an Outline of a story
7. Presenting Oral Composition.

The role of Speaking → Language derives it ~~Vitality~~ Vitality, sustenance, and dynamism from Speech. Learning to Speak a Language is always the Shortest road to read and Write it.

① To learn the Soudns of the language as well as Stress, rhthym and intotation

Toppersnotes
Unleash the topper in you

(2). Stringing together features of pronunciation (Sound, Stress, rhythm and intonation) in grammatical and Meaningful sequences.

(3). To learn the Speech sequence in appropriate Social Situations to enhance Social relationships.

(4). To learn to Identify and Select points relevant to the purpose and situation as per Social acceptability.

(5) To learn the Sequencing of Ideas in to a coherent whole in extented talk

(6) To learn to develop fluency, pleasant Conversation and ease of Speech.